



2

---

---

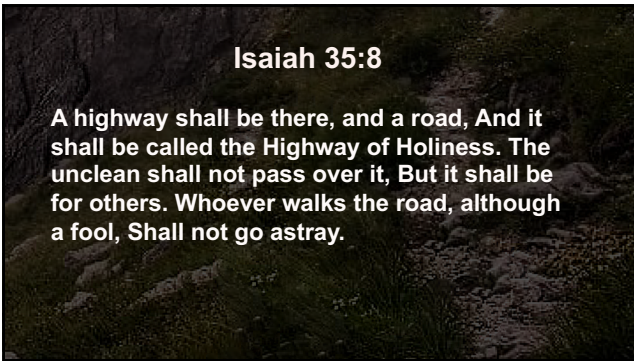
---

---

---

---

---



3

---

---

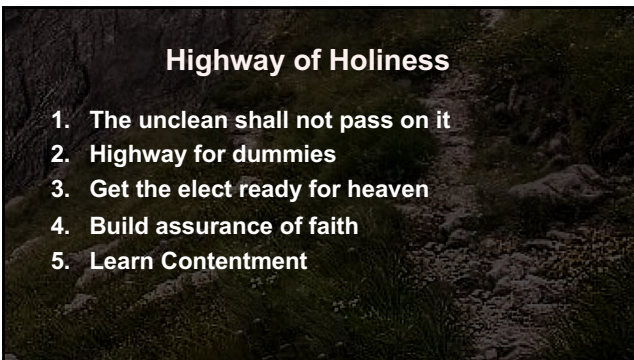
---

---

---

---

---



4

---

---

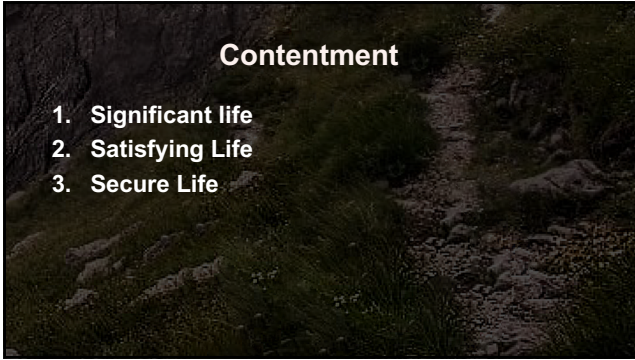
---

---

---

---

---



5

---

---

---

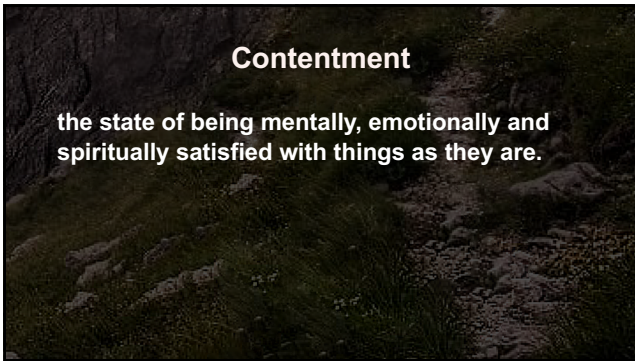
---

---

---

---

---



6

---

---

---

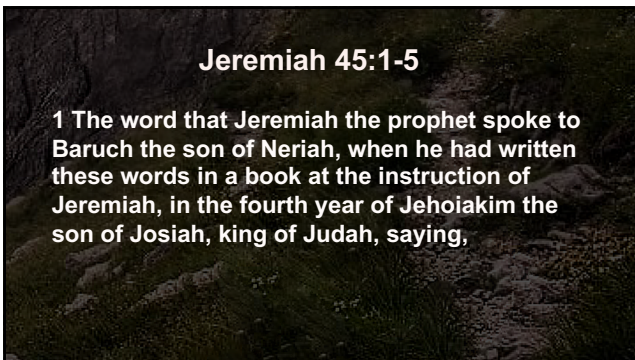
---

---

---

---

---



7

---

---

---

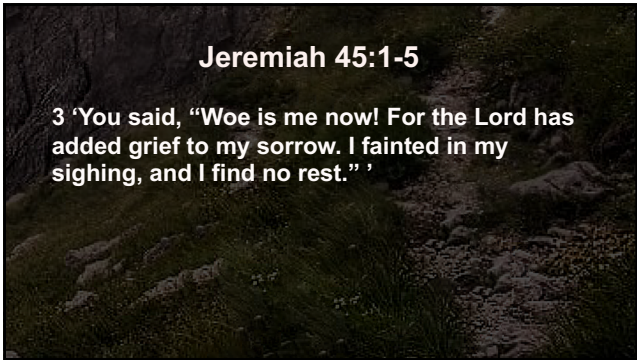
---

---

---

---

---



8

---

---

---

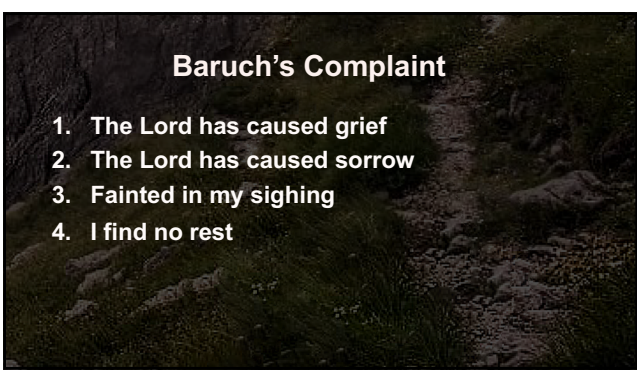
---

---

---

---

---



9

---

---

---

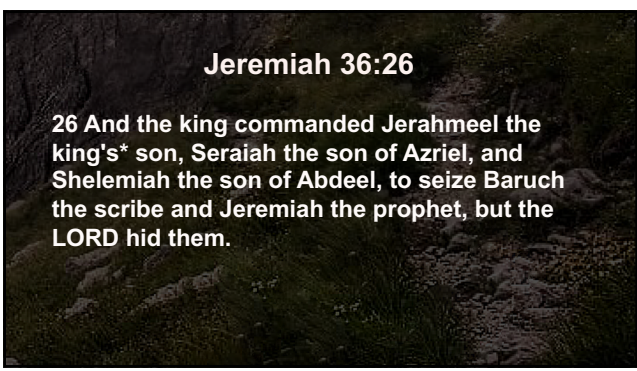
---

---

---

---

---



10

---

---

---

---

---

---

---

---



11

---

---

---

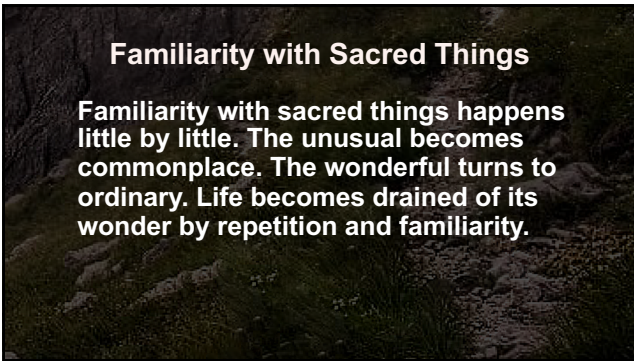
---

---

---

---

---



12

---

---

---

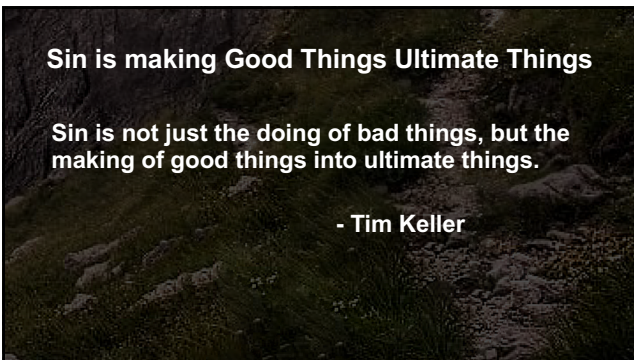
---

---

---

---

---



13

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jeremiah 45:1-5**

4 "Thus you shall say to him, 'Thus says the Lord: "Behold, what I have built I will break down, and what I have planted I will pluck up, that is, this whole land.

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jeremiah 45:1-5**

5 And do you seek great things for yourself? Do not seek them; for behold, I will bring adversity on all flesh," says the Lord. "But I will give your life to you as a prize in all places, wherever you go."

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**Hebrews 10:23-25**

23 Let us hold fast the confession of our hope without wavering, for He who promised is faithful. 24 And let us consider one another in order to stir up love and good works, 25 not forsaking the assembling of ourselves together, as is the manner of some, but exhorting one another, and so much the more as you see the Day approaching.

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Hebrews 10:32-39**

32 But recall the former days in which, after you were illuminated, you endured a great struggle with sufferings: 33 partly while you were made a spectacle both by reproaches and tribulations, and partly while you became companions of those who were so treated;

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**Hebrews 10:32-39**

34 for you had compassion on [me in my chains, and joyfully accepted the plundering of your goods, knowing that you have a better and an enduring possession for yourselves [k]in heaven. 35 Therefore do not cast away your confidence, which has great reward. 36 For you have need of endurance, so that after you have done the will of God, you may receive the promise:

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**Hebrews 10:35-39**

37 "For yet a little while, And He who is coming will come and will not tarry. 38 Now the just shall live by faith; But if anyone draws back, My soul has no pleasure in him." 39 But we are not of those who draw back to perdition, but of those who believe to the saving of the soul.

19

---

---

---

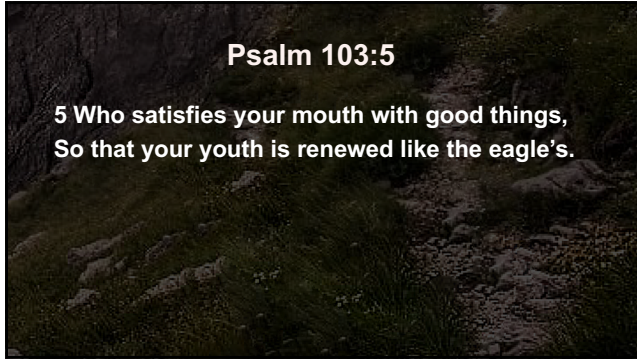
---

---

---

---

---



20

---

---

---

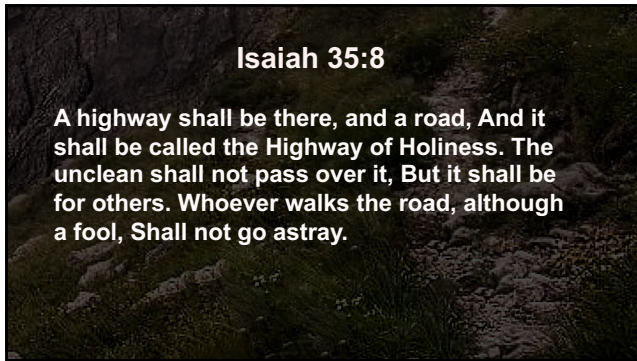
---

---

---

---

---



21

---

---

---

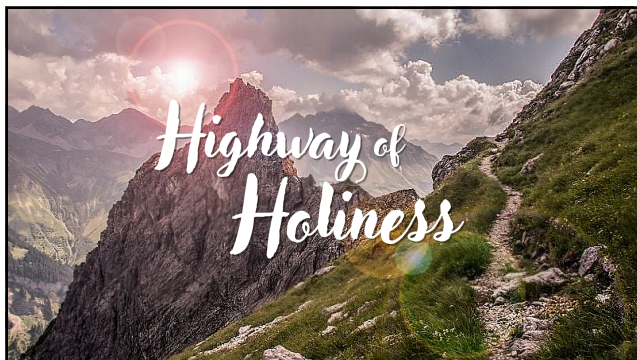
---

---

---

---

---



22

---

---

---

---

---

---

---

---